**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**लोक सभा**

अतारांकित प्रश्न संख्या: 4673

उत्तर देने की तारीख: 22.07.2019

**युवाओं के बीच योग को बढ़ावा**

**4673. डॉ. सुजय विखे पाटीलः**

**श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिलः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का देश में स्कूलों/कॉलेजों, सेना और अन्य सरकारी शिक्षण संस्थानों में योग शिक्षा प्रदान करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ऐसे संस्थानों में योग अनिवार्य करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त संस्थाओं द्वारा इस संबंध में जारी अनुदेशों की अनुपालन स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(घ) देश में जिला/राज्य स्तर पर युवाओं के बीच योग को बढ़ावा देने के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने इस संबंध में योग शिक्षकों की उपलब्ध्ता का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**

**(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')**

(क) से (ड.): मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने विश्वविद्यालयों में योग शिक्षा पर संस्तुतियां देने के लिए प्रो. एच.आर. नगेन्द्र, कुलपति, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरू (एस-व्यास) की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी। इस समिति ने अपनी संस्तुतियों में योग पाठ्यक्रमों हेतु पाठ्यचर्या निर्धारित की है। अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, मंत्रालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में निम्नलिखित पांच योग पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने को कहा है:

| क्र.सं. | पाठ्यक्रम | पाठ्यक्रम कोड | अवधि |
|---|---|---|---|
| 1 | विज्ञान स्नातक (योग) | बी.एससी (योग) | 3 वर्ष से 6 वर्ष |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2 | विज्ञान स्नातकोत्तर (योग) | एम.एससी (योग) | 2 वर्ष से 4 वर्ष |
| 3 | डॉक्टर ऑफ फिलोसोफी | पीएच.डी (योग) | यूजीसी द्वारा निर्दिष्ट पीएच.डी अवधि के अनुसार |
| 4 | योग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा | पीजीडीवाई | 1 वर्ष से 2 वर्ष |
| 5 | योग थैरेपी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा | पीजीडीवाईटी | 1 वर्ष से 2 वर्ष |

यूजीसी ने भारत सरकार, आयुर्वेद, योग एवं नेचुरोपैथी यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय, आईएनए, नई दिल्ली ने दिनांक 24.06.2016 के निदेश पर सभी शैक्षणिक संस्थाओं को एडवायजरी जारी की है कि पी.एचडी कार्यक्रम में उम्मीदवारों के नामांकन के लिए अपनी संस्थाओं में आयुष विषय को शामिल करें।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क (एनसीएफ), 2005, ने योग को स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के एक अभिन्न अंग के रूप में संस्तुति की है। स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा कक्षा I से X तक एक अनिवार्य विषय और कक्षा XI से XII तक एक वैकल्पिक विषय है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने पहले ही कक्षा I से कक्षा X तक स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा पर एकीकृत पाठ्यचर्या विकसित की है। यह पाठ्यचर्या एनसीईआरटी वेबसाइट की www.ncert.nic.in पर उपलब्ध है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा-I से XII तक सभी के लिए स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य कर दिया है। स्कूलों को यह सलाह दी गई है कि स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा में तीन क्षेत्र अर्थात स्वास्थ्य शिक्षा, शारीरिक शिक्षा और योग शामिल हैं तथा ये सभी तीन क्षेत्र सर्वांगीण स्वास्थ्य (शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक) को प्राप्त करने के लिए आवश्यक हैं।

सरकार ने भारत में प्रामाणिक योग प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए विदेशों से योग सीखने वालों को प्रोत्साहित करने हेतु योग को ''स्टडी इन इंडिया'' कार्यक्रम में भी शामिल किया है। यूजीसी ने बैंगलुरू में अंतर विश्वविद्यालय केंद्र-योग विज्ञान की स्थापना को अनुमोदित किया है और जनवरी, 2017 से यूजीसी-नेट में योग को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) विषय के रूप में शुरू किया गया है। इसके अतिरिक्त, देश में योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 09 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में योग विभाग की स्थापना की गई है।

सरकार ने योग प्रशिक्षण के मानकीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए व्यक्तियों को प्रमाणपत्र और संस्थाओं को प्रत्यायन प्रदान कर एक योग प्रमाणीकरण बोर्ड (वाईजीबी) की स्थापना की है। यह भारत और अन्य देशों में योग के प्रचार-प्रसार हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अतिरिक्त, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तहत मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) एक स्वायत्त संगठन है। एमडीएनआईवाई योग शिक्षा, प्रशिक्षण, थैरेपी और अनुसंधान और इसके सभी पहलुओं की आयोजना, प्रशिक्षण, संर्वधन और समन्वय के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान है। एमडीएनआईवाई का उद्देश्य लोगों के बीच शास्त्रीय योग के आधार पर योग दर्शन और प्रथाओं की गहन समझ का बढ़ावा देना है।

एनसीईआरटी ने देश में विभिन्न स्तरों पर योग ओलपिंयाड का आयोजन किया। एनसीईआरटी, नई दिल्ली में 18 से 20 जून, 2019 को आयोजित राष्ट्रीय योग ओलंपियाड में राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के स्कूलों, केंद्रीय विद्यालय संगठन (केविस), नवोदय विद्यालय समिति (नविस) और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) स्कूलों ने भाग लिया। समापन समारोह नई दिल्ली में आयोजित किया गया था जिसमें विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

आयुष मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन) योग व प्राकृतिक चिकित्सा को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रतिमास औसतन 16 पहुंच कार्यकलापों का आयोजन करता है। इनमें से कुछ आयोजन पुणे के निकटस्थ गांवों में किए जाते है। राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अधीन राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को आयुष स्वास्थ्य केंद्र, जिनमें योग एक महत्वपूर्ण संघटक होता है, स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची का विषय है और अधिकांश स्कूल, भर्ती, सेवा शर्तें और योग अध्यापकों सहित अध्यापकों की तैनाती राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के क्षेत्राधिकार में आते हैं और यह संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार पर निर्भर करता है कि वे अपने स्कूलों के लिए ऐसे मामलों में निर्णय लें।

*****